कक्षा नवम / दसवीं

दोनो कक्षाओं के प्रत्येक छात्र को अपना हर विषय का कार्य रजिस्टर में स्वच्छता का ध्यान रखते हुए पूरा करना है।

रजिस्टर के कवर विषयानुसार

English - White

Hindi - Blue

Maths - Red

Science - Yellow

S.St - Green

Scanned with CamScanner

संजीवनी पब्लिक स्कूल, कक्षा दसवीं, विषय हिन्दी
व्यवहारिक व्याकरण, पाठ- 1. रचना के आधार पर वाक्य
कुल अंक भार :- 4.

वाक्य :- ऐसा सार्थक शब्द समूह, जो व्यवस्थित हो तथा पूरा अर्थ प्रकट कर सके, वाक्य कहलाता है।

कक्षा नवम :- में हमने अर्थ के आधार वाक्य पढ़े थे। हमने समझा था कि वाक्य आठ प्रकार के अर्थ प्रकट करता है। और कक्षा दसवीं में हम रचना अर्थात बनावट के आधार पर वाक्य कितने होते हैं? जानेंगे।

रचना के आधार वाक्य तीन प्रकार के होते हैं।

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र या मिश्रित वाक्य

सरल वाक्य :- सरल वाक्य में उद्देश्य एक और एक से अधिक भी हो सकते हैं, परन्तु उनका विधेय एक ही होता है।

जैसे :- माँ खाना पकाती है।
राम और श्याम विद्यालय जाते हैं।
रेखांकित उद्देश्य है और शेष विधेय है।

संयुक्त वाक्य :- संयुक्त वाक्य में दो या दो से अधिक सरल वाक्यों को समुच्चयबोधक के द्वारा जोड़ दिया जाता है। और समुच्चय बोधक के पहले और बाद वाले वाक्य दोनों अपना स्वतन्त्र अर्थ रखते हैं।

जैसे :- बच्चे मैदान में खेल रहे हैं और औरतें टहल रही हैं।
राम आया और श्याम चला गया।

मिश्र वाक्य :- इस वाक्य में एक वाक्य प्रधान होता है और एक अश्रित उपवाक्य होता है। इस प्रकार के वाक्य के दोनों उपवाक्य व्यधिकरण समुच्चयबोधक के द्वारा जुड़े होते हैं। जैसे :- मैंने देखा कि बाजार शांत है।
अश्रित उपवाक्य — प्रधान उपवाक्य

P. T. O

Scanned with CamScanner

प्रधान और आश्रित उपवाक्य की पहचान :-

मिश्र वाक्य के दो उपवाक्यों में जो वाक्य अपना अर्थ स्वयं प्रकट करें वह प्रधान होता है, और जो अपना अर्थ प्रकट नहीं करता वह आश्रित होता है।

मैंने देखा :- आश्रित उपवाक्य है क्योंकि क्या देखा दूसरे उपवाक्य पर निर्भर है।

बाजार शांत है :- प्रधान उपवाक्य है क्योंकि यह अपना अर्थ स्वयं प्रकट कर रहा है।

आश्रित उपवाक्यों के प्रकार :-

1. संज्ञा आश्रित उपवाक्य :- जिसमें वाक्य का प्रथम पद संज्ञा या सर्वनाम हो और योजक अर्थात समुच्चयबोधक के बाद पहला शब्द संज्ञा या सर्वनाम हो। तथा कि समुच्चयबोधक के द्वारा जोड़ा गया हो।

   गाँधी जी ने कहा कि अहिंसा परम धर्म है।

2. विशेषण आश्रित उपवाक्य :- इसमें प्रधान उपवाक्य के किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताई जाती है। इसमें मुख्य उपवाक्य पर कौन, किसे, किन्हे प्रश्नों का उत्तर मिले तो उपवाक्य विशेषण आश्रित है।

   जो मेहनत करता है वही सफल होता है।

3. क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य :- इसमें मुख्य उपवाक्य या प्रधान उपवाक्य की क्रिया के संबंध में किसी प्रकार की सूचना मिले तो वह क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य कहलाते हैं। इसमें हमे कैसे, कब, कहाँ, कितना जैसे प्रश्नों के उत्तर प्राप्त होते हैं।

   जितना पढ़ोगे उतना समझ आएगा।

   जैसा तुम करोगे मैं भी वैसा ही करूँगा।

Scanned with CamScanner

प्रश्न अभ्यास :-

1. रचना के आधार पर वाक्य पहचान कर वाक्य का नाम लिखो :-

1. कठोर बन कर भी सहृदय बनो।

उत्तर सरल वाक्य

2. माँ ने बच्चे को नहलाया और स्कूल भेजा।

उत्तर संयुक्त वाक्य

3. मैंने शीला से कहा कि मेरे साथ चले।

उत्तर मिश्र वाक्य

4. रजनी बीमार है इसलिए स्कूल नहीं आई।

उत्तर संयुक्त वाक्य

2. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए :-

1. आप खाना खा कर आराम करें। (संयुक्त वाक्य में बदलो)

उत्तर आप खाना खाएँ और आराम करें।

2. मैंने शीला से कहा कि वह मेरे साथ चले। (सरल वाक्य में)

उत्तर मैंने शीला को अपने साथ चलने के लिए कहा।

3. मेरे पिता जी वे हैं जो कुर्सी पर बैठें हैं। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर वे मेरे पिता जी हैं और कुर्सी पर बैठें हैं।

4. उस लड़की को बुलाओं जो लाल साड़ी पहने है। (सरल वाक्य में)

उत्तर उस लाल साड़ी वाली लड़की को बुलाओ।

5. जिन की आय कम है, उन्हे मितव्ययी होना चाहिए। (सरल वाक्य में)

उत्तर कम आय वालों को मितव्ययी होना चाहिए।

3. स्वयं अभ्यास करें :- वाक्य भेद बताओ :-

1. रीता गा और नाच रही है।

2. सुबह की पहली बस पकड़ो और शाम तक लौट आओ।

Scanned with CamScanner

3. जिसने सफेद कमीज पहनी है वह मेरा भाई है।

प्रश्न निम्न वाक्य को संयुक्त और मिश्र दोनों में परिवर्तित करें

जैसे:- सरल वाक्य :- गड्ढा खोद कर मजदूर चले गए।
संयुक्त वाक्य:- मजदूरों ने गड्ढा खोदा और चले गए।
मिश्र वाक्य :- जब मजदूरों ने गड्ढा खोद लिया तब वे चले गए।

1. सरल वाक्य:- मैंने एक बीमार आदमी देखा।
संयुक्त वाक्य:-
मिश्र वाक्य:-

2. सरल वाक्य:- मोहन को हिन्दी पढ़ने लिए शास्त्री जी के घर गया।
संयुक्त वाक्य:-
मिश्र वाक्य:-

प्रश्न निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए:-

1. प्रातःकाल होते ही चिड़िया चहचहाने लगी। (संयुक्त वाक्य में
2. जो व्यक्ति सहायता करते है, वे अच्छे लगते है। (सरल वाक्य
3. मैंने समझाया और वह मान गई। (सरल वाक्य में)
4. साधु आशीर्वाद दे कर गायब हो गया। (संयुक्त वाक्य में
5. तुम बाहर गए और वे आ गया। (सरल वाक्य में)
6. जबसे मीरा बाहर गई, वह खुश नहीं थी (सरल वाक्य में)
7. सच बोलने वाले घबराते नही है (मिश्र वाक्य में
8. वह खेल और पढ़ाई दोनों मे अच्छा है। (मिश्र वाक्य में)
9. वह खेल और पढ़ाई दोनों में अच्छा है। (संयुक्त वाक्य में)
10. परिश्रम करने वाले मजदूर को उसका पूरा लाभ नहीं मिलता।
मिश्र वाक्य में

Scanned with CamScanner

संजीवनी पब्लिक स्कूल, कक्षा दसवीं, विषय हिन्दी

व्यवहारिक व्याकरण, पाठ-2 वाच्य

अंक भार - 4

- परिभाषा
- वाच्य के भेद
- वाच्य की पहचान

तथा अभ्यास कार्य :-

वाच्य का शाब्दिक अर्थ है - बोलने का विषय।
English में Voice कहते हैं।

वाच्य को जानने के लिए हमें पता होना चाहिए कि

- वचन, लिंग, काल अन्यपुरुष क्या है?
- कर्ता, कर्म और क्रिया का ज्ञान जानना जरूरी है।
- कर्ता को अलग कैसे करें।
- अकर्मक और सकर्मक क्रिया में क्या अन्तर है।

यदि इन सब का ज्ञान आपको अच्छे से है तो वाच्य अत्यंत आसान/सरल विषय बन जाता है।

वचन :- जिन शब्दों किसी वस्तु के एक अथवा अधिक होने का ज्ञान हो।

लिंग :- शब्द का अर्थ है (चिह्न) व्याकरण में स्त्री/पुरुष का भेदक है।

काल :- जिन शब्दों से क्रिया के होने के समय का ज्ञान हो।

अन्यपुरुष :- सर्वनाम के भेद पुरुष वाचक सर्वनाम में अन्य पुरुष उसे माना जाता है, जिनके बारे में बात की जाती है।

सकर्मक और अकर्मक क्रिया को समझना भी अति आवश्यक है।

सकर्मक क्रिया :- स उपसर्ग का अर्थ होता है, साथ में जैसे स + कर्मक अर्थात कर्म के साथ। अर्थात जिन क्रियाओं में कर्म पाया जाता है, वे क्रियाएँ सकर्मक कहलाती है।

अकर्मक :- अकर्मक अर्थात कर्म रहित क्रियाएँ। अर्थात जिन क्रियाओं में कर्म नहीं पाया जाता वे अकर्मक क्रियाएँ कहलाती है।

P. T. O

Scanned with CamScanner

अकर्मक क्रिया :- रीता हँसती है।
कर्ता क्रिया

प्रस्तुत वाक्य में कर्म नहीं है।

सकर्मक क्रिया :- रीता पत्र लिखती है।
↓ ↓ ↓
कर्ता कर्म क्रिया

प्रस्तुत वाक्य में कर्म है।

वाच्य के प्रकार :-

1. कर्तृ वाच्य :- जिसमें वाक्य का भार कर्ता पर पड़ता हो :- यह अकर्मक/सकर्मक दोनो हो सकती है।

जैसे :- रीता पत्र लिखती है।
↓ ↓
कर्ता क्रिया

क्रिया का मूल रूप है धातु अर्थात लिख धातु पर स्त्रीलिंग कर्ता का प्रभाव पड़ रहा है। इस लिए यह कर्तृ वाच्य है।

2. अकर्तृ वाच्य :- जिसमें क्रिया का भार कर्ता पर न पड़कर कर्म या भाव पर पड़े वहाँ अकर्तृ वाच्य होता है।

इस आधार पर अकर्तृ वाच्य के दो भेद हुए। 1. कर्म वाच्य
2. भाव वाच्य ।

जैसे :- रीता के द्वारा पत्र लिखा जाता है।

इस वाक्य में अर्थ तो पहले वाले वाक्य के ही समान है, परन्तु क्रिया का भार कर्म पर पड़ रहा है।

रीता के द्वारा पत्र लिखा जाता है।
↓ ↓ ↓ ↓ ↓
कर्ता विभक्ति का प्रयोग। प्रमुखता प्राप्त हुई पुल्लिंग है पुल्लिंग होगई

Scanned with CamScanner

प्रस्तुत वाक्य में क्रिया पर कर्म का प्रभाव इसीलिए यहाँ कर्म वाच्य हो गया।

भाव वाच्य :- रीता से हँसा जाता है।
कर्ता विभक्ति क्रिया

प्रस्तुत वाक्य में क्रिया पर भाव का प्रभाव स्पष्ट हो रहा है, वहाँ भाव वाच्य होता है।

अभ्यास कार्य :-

प्रश्न निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :-

1. माँ ने खाना बनाया। (कर्म वाच्य में बदलो)

उत्तर माँ के द्वारा खाना बनाया गया।

2. राधा से गाना नहीं गाया जाएगा। (कर्तृ वाच्य में बदलो)

उत्तर राधा गाना नही गा पाएगी।

3. माँ चल नहीं पाती। (भाव वाच्य में बदलो)

उत्तर माँ से चला भी नही जाता।

4. रानू चिट्ठी लिखता है। (कर्म वाच्य)

उत्तर रानू के द्वारा चिट्ठी लिखी जाती है।

5. पक्षी आकाश में उड़ नहीं पा रहे। (भाव वाच्य में)

उत्तर पक्षियों से आकाश में उड़ा नहीं जा रहा।

प्रश्न निम्न में वाच्य पहचान कर नाम लिखो :-

1. मोहन के द्वारा स्कूटर चलाया गया।

उत्तर कर्म वाच्य

2. सुरेश भाग गया।

उत्तर कर्तृ वाच्य

3. दादा जी से चला नहीं जाता।

उत्तर भाव वाच्य

4. माली के द्वारा फूलों के पौधे लगाए गए।

उत्तर कर्म वाच्य

Scanned with CamScanner

प्रश्न अभ्यास द्वारा स्वयं करें :-

वाच्य पहचान कर वाच्य का नाम लिखें। :-

- राम किताब पढ़ रहा है।
- रूस के द्वारा नया उपग्रह छोड़ा गया।
- नानी के द्वारा कहानी सुनाई जाती है।
- मुझसे शांत नहीं बैठा जाता।
- हम भजन गाएंगे।

निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तित कीजिए :-

- बंदर से कूदा गया। (कर्तृ वाच्य में)
- दादा जी चल नहीं पाएंगे। (भाव वाच्य में)
- मैंने प्रेमचंद का उपन्यास 'कर्मभूमि' पढ़ा। (कर्म वाच्य में)
- हम छत पर सोते हैं। (भाव वाच्य में)
- पक्षी दाना चुग रहे हैं। (कर्म वाच्य में)

Scanned with CamScanner